प्रश्नावली का अर्थ–

प्रश्नावली विभिन्न प्रश्नों की सूची है जिसे डाक द्वारा सूचनादाता के पास पहुंचा दिया जाता है जो स्वयं इन प्रश्नों के उत्तर लिखकर पुनः डाक द्वारा अध्ययनकर्ता को लौटाते है। चूंकि बड़े क्षेत्र मे सूचनादाता फैले हुये होते है अतः अध्ययनकर्ता के लिये प्रत्येक सूचनादाता से प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित कर साक्षात्कार प्रविधि से सूचनायें प्राप्त करना अत्यधिक कठिन हो जाता है, क्योंकि दूर–दूर रहने वाले व्यक्तियों से साक्षात्कार करने के लिये अधिक समय, धन तथा परिश्रम की आवश्यकता होती है। अतः प्रश्नावली प्रविधि ऐसे समय मे प्राथमिक सूचनाओं की प्राप्ति मे महत्वपूर्ण सहयोग देती है। इसीलिए प्रश्नावली को साक्षात्कार प्रविधि का विकल्प कहा जाता है।

गुडे एवं हॉट के शब्दों मे, सामान्य रूप से प्रश्नावली से अर्थ प्रश्नों के उत्तरों को प्राप्त करने के लिए साधन से है, जिसमें पत्रक का प्रयोग किया जाता है, जिसे सूचनादाता स्वयं भरता है।

इस प्रकार प्रश्नावली को हम अधिकांशतया मानकीकृत प्रश्नों की एक व्यवस्थित सूची कह सकते है जो उत्तरदाताओं को इस आश्य के साथ कि वे उसमे अपना उत्तर लिखकर वापस करें डाक से भेजी या व्यक्ति द्वारा पहुँचाई जाती है।

प्रश्नावली की विशेषताएं (Features)

1. प्रश्नवली प्रश्नों की एक सूची होती है, जिसे अनुसंधानकर्ता उत्तरदाता के पास डाक द्वारा भेजता है।

2. प्रश्नावली प्राथमिक सामग्री के संकलन की एक प्रविधि है जिसमे सूचनाता से अप्रत्यक्ष सम्पर्क के आधार पर जानकारी एकत्र की जाती है।

3.. इसमे सरल व स्पष्ट प्रश्न होते जिनकी संख्या सामान्यतया सीमित होती है जिससे उनका उत्तर देने से सूचनादाता को अधिक समय न लगे।

4. प्रश्नावली मे अन्वेषक की ओर से सूचनादाता को कुछ निर्देश दिये गये होते है जिससे उसे प्रश्नों को भरने मे आसानी हो।

5. प्रश्नावली का उपयोग केवल शिक्षित व्यक्तियों से आंकड़ों को एकत्रित करने हेतु किया जाता है।

6. अधिकांशतया प्रश्नावली मे प्रश्नों को युक्तिसंगत आधार पर कुछ वर्गों मे व्यवस्थित क्रम के अनुसार रखा गया होता है।

7. प्रश्नावली के अन्त मे प्रायः कुछ स्थान रिक्त होता है जिसमे उत्तरदाता अपनी ओर से कोई जानकारी या मत दे सकता है।

8. प्रश्नावली का प्रयोग एक विस्तृत क्षेत्र मे कम व्यय से किया जा सकता है।

9. सामान्यतया प्रश्नावली के साथ एक संलग्न पत्र होता है जिसमे अनुसंधानकर्ता की ओर से उत्तरदाताओं से प्रश्नावली को भरकर लौटाने का अनुरोध किया जाता है।

प्रश्नावली के प्रकार–

1. मिश्रित प्रश्नावली – मिश्रित प्रश्नावली मे कई प्रश्नों का सम्मिश्रण रहता है। इस प्रश्नावली मे बंद और खुली दोनों प्रकार की प्रश्नावली की विशेषताएं होती है। सामाजिक सर्वेक्षण मे इसी प्रकार की प्रश्नावली का उपयोग किया जाता है।

2. चित्रमय प्रश्नावली – चित्रमय प्रश्नावली मे प्रश्नों के उत्तर चित्रों द्वारा प्रदर्शित किए जाते है। जिस चित्र को व्यक्ति उत्तर के लिए समझता है, वहां वह निशान लगा देता है।

3. बन्द प्रश्नावली – बंद प्रश्नावली को सीमित अथवा प्रतिबंध प्रश्नावली भी कहते है। इस प्रश्नावली मे प्रत्येक प्रश्न के आगे जितने भी संबंधित उत्तर होते है लिख दिये जाते है। सूचनादाता अपना उत्तर इन्ही प्रश्नो के माध्यम से भरता है। जैसा कि सिन पाओ यंग ने कहा है, कि बंद प्रश्नावली मे प्रायः पूछे गये प्रश्नों के पद के क्रमानुसार उत्तर सम्मिलित होते है।

4. खुली प्रश्नावली – इस प्रश्नावली को असीमित अथवा अप्रतिबंधित प्रश्नावली भी कहते है। यह प्रश्नावली बंद प्रश्नावली के विपरीत होती है। खुली प्रश्नावली मे केवल प्रश्न होते है और उत्तर के लिए स्थान रिक्त छोड़ दिया जाता है। उत्तर देने वाले व्यक्ति पर उतर देने के लिए कोई बंधन नही होता। वह अपनी इच्छानुसार कुछ भी उत्तर दे सकता है।

इसके अतिरिक्त प्रो. पी. यंग के अनुसार प्रश्नावली दो तरह की होती है––

(अ) संरचित प्रश्नावली – जब प्रश्नावली के प्रश्नों की रचना अनुसंधान करने के पहले ही हो जाती है तो उसे संरचित प्रश्नावली कहते है। इसमे प्रश्न सबके लिए एक समान होते है, क्योंकि वे निश्चित है। इसमे ऐसे प्रश्न भी होते है जिनके द्वारा अपर्याप्त उत्तरों का स्पष्टीकरण किया जाता है।

(ब) असंरचित प्रश्नावली –इस प्रकार की प्रश्नावली मे पहले से ही प्रश्नों का निर्माण नही होता वरन् सिर्फ उन विषय या बिन्दुओं का उल्लेख होता है जिसके बारे मे सूचना एकत्रित की जाती है। अतः इसे साक्षात्कार निर्देशिका भी कहा जाता है। इसमे वास्तव मे प्रश्न लिखे ही नही होते केवल कुछ संकेत होते है।

प्रश्नावली का महत्व, गुण अथवा लाभ–

1. विशाल जनसंख्या का अध्ययन – प्रश्नावली के द्वारा विशाल क्षेत्र मे फैले हुये सूचनादाताओं से आसानी से एवं शीघ्रतापूर्वक सूचनायें एकत्रित की जा सकती है।

2. कम खर्च – चूंकि इस प्रविधि मे क्षेत्रिय कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की आवश्यकता नही होती, अतः व्यय अत्यंत कम होता है। केवल छपाई एवं डाक मे ही सूचनायें एकत्रित हो जाती है।

3. शीघ्र सूचनायें – प्रश्नावली के अंतर्गत सभी प्रश्नावलियाँ डाक द्वारा एक ही समय मे सभी सूचनाताओं के पास पहुँचा दी जाती है। अतः लगभग थोड़े से अंतराल मे ही अधिकांश प्रश्नावलियां भरकर वापस लौटती है।

4. सुगमता – इस प्रविधि मे अनुसंधानकर्ता को परिश्रम, धन तथा समय अधिक नही लगाना पड़ता है। सूचनादाता भी अपनी सुविधानुसार प्रश्नावली को भरता है। इस प्रकार प्रश्नावली पद्धति अत्यंत सुगम है।

5. स्वतंत्र तथा प्रामाणिक सूचनायें – प्रश्नावली प्रविधि मे सूचनादाता सूचना देने के लिये स्वतंत्र होता है। उसे किसी प्रकार का दबाव नही होता। वह स्वतंत्र रूप से सोच विचार कर सूचनायें देता है। इस प्रकार पक्षपात रहित सूचनायें प्राप्त होती है।

6. स्वयं प्रशासित – प्रश्नावली प्रविधि मे अनुसंधानकर्ता को न तो अध्ययन क्षेत्र मे जाने की आवश्यकता होती है न सूचनादाताओं एवं कार्यकर्ताओं मे दिमाग खपाना पड़ता है। प्रश्नावली छपवाकर केवल डाक द्वारा भेजने से ही उसे सूचनायें अपने आप घर बैठ उपलब्ध हो जाती है।